हिन्दी व्याकरण

1.***<u>सही वर्तनी (हिज्जे) :</u>***

ठीक (अ.शब्द)	स्थिति	व्यंग	कमिटी
प्रतीक(अ.शब्द)	क्योंकि	नहीं	समिति
कठिन(अ.शब्द)	मुझे	रुचि	आर्ट्स
नजदीक(अ.शब्द)	पुलिस	सूची	रेलवे
ज्यादातर	रमणीय	राष्ट्रीय	साठ
जिजीविषा	चिह्न	पीयूष	दिखाई
कहानीकारों	हूँ	हॉकी/हाकी	घबराना
विपरीत(अ.शब्द)	दीपक	कॉलेज/कालेज	खाकी पोशाक
प्रस्तुत	दीवार	यानी	सचाई
प्रस्तुतीकरण	मंत्री	प्रतीकों(अ.शब्द)	सच्चाई
तकनीकि	मंत्रिमंडल	में	ऋषि
परिस्थिति	वाल्मीकि	मैं	प्रतिनिधि
कारकिर्दी	कीर्ति	कहीं	यधपि
लेकिन(अ.शब्द)	प्रीति	अद्भुत	संन्यासी
प्रसिद्ध	दीप्ति	वक्तृत्व	नीति
पुनर्जीवित	रीति		

2.*एक ही उच्चारण वाले शब्दों के अलग-अलग अर्थः*

आदि	-पुराना (विगेरे)	दिन	-दिवस
आदी	-आदत	दीन	-गरीब
प्रसाद	-भ.प्रसाद	पानी	-पीने का पानी
प्रासाद	-महल	पानि	-हाथ
संदिग्ध	-अस्पष्ट	भेंट	-मुलाकात
असंदिग्ध	-स्पष्ट	भेट	-तोहफा,उपहार
बुरा	-खराब	चीर	-वस्त्र
बूरा	-सुगर का बूरा	चिर	-दीर्घकाल,लम्बे समय तक
अवधी	-एक भाषा	ओर	-तरफ
अवधि	-समय,सीमा	और	-अधिक,ज्यादा
कृति	-रचना	शिर	-कपाल,मस्तक
कृती	-पवित्र	शीर	-दूध,क्षीर
व्रज	-एक भाषा	सीर	-नाडी
वज्र	-कठीन	मिल	-कारखाना
केश	-बाल	मील	-अंतर,दूरी
केस	-वकील का केस	सुर	-आवाज
		सूर	-अंधाव्यक्ति,सूरदास

---

3. हिन्दी में जब एक वचन से बहुवचन होता है तब------से ------हो जाती है:

स्त्री	-स्त्रियाँ	लडकी	-लडकियाँ	नदी	-नदियाँ
सखी	-सखियाँ	गाडी	-गाडियाँ	बकरी	-बकरियाँ
कचहरी	-कचहरियाँ	हिन्दू	-हिन्दुओं	आँसू	-आँसुओं
कहानी	-कहानियाँ	दूध	-दूध		
कहानीकार	-कहानीकारों	पानी	-पानी		

---

4. हाइफन (योजक चिह्न)

राम-लक्ष्मण	पढ-पढकर	शिव-पार्वती	पढ-लिखकर
खा-पीकर	तक-तककर	रो-रोकर	लेन-देन
राम-राज्य	खाना-पीना	भिन्न-भिन्न	पढना-लिखना
छिन्न-भिन्न	चाल-चलन	जगह-जगह	हँसी-मजाक
देख-रेख	चाकू-से		

-***5. चन्द्र बिन्दी (अनुनासिकता चिह्न)***

हँसना	चाँद	आँगन
अँगना	आँसू	

---

6. हलन्त चिह्न (हल चिह्न)

अर्थात् पश्चात्
सप्तम् मधुरम्

---

7. कि और की की अर्थः

कि-- કે
की-- નો,ની,નુ,ના
उदाहरणः मे કહ્યું **કે** મારી રોકાવા**ની** વ્યવસ્થા કરજો.
मैंने कहा **कि** मेरी ठहरने **की** की व्यवस्था करना ।

---

8. छोटे-छोटे नियमः

1. मात्राएँ--------- क, का, कि, की, कु, कू, के, कै, को, कौ, कं, कः
2. अनुस्वार------- हिंद, हिंदुस्तान, हिंदी
3. विसर्ग----------पुनः, पुःनश्य, दुःख
4. खडीपाई-------- ----------हूँ।
5. कॉलन चिह्न----------भूमिका: , क्रमांक:
6. इन्वटेड कामा----'गोदान' -----"बीती विभावरी जागरी"
7. देवनागरी अंक----
8. रोमन अंक-------I , II , III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X
   5---V 10---X 20----XX 30---XXX 40---XL---50---L
   100---C----500----D-----1000------M

---

9. वर्तनी के दो प्रमुख नियमः

(1) किसी भी शब्द के उच्चारण के पीछे **इत, इक, इया, इयत, इयल** आये तो हस्वई (कि) ही आयेगी ।

****इतः** पीडित, लिखित, विकसित, दलित, केन्द्रित, अंकुरित
****इकः** औधोगिक, दैनिक, शारीरिक, सामाजिक, हार्दिक
****इयाः** गुडिया, चिडिया, डाकिया, दुनिया, खटिया
**** इयतः** इन्सानियत, असलियत, शैतानियत, खैरियत
**** इयलः** अडियल, मरियल, डढियल दमियल

(2) किसी भी शब्द के उच्चारण के पीछे **ईय, कीय, ईन, ईला, अनीय** आये तो दीर्घई (की) ही आयेगी ।

****ईयः** केन्द्रीय, जातीय, प्रान्तीय, स्वर्गीय
****कीयः** परकीय, स्वकीय, राजकीय
**** ईनः** अर्वाचीन, नवीन, स्वाधीन, समकालीन, प्राचीन
**** ईलाः** चमकीला, रंगीला, शरमीला, हठीला
****अनीयः** कमनीय, दर्शनीय, आदरणीय, सम्माननीय